AEC 2 : जनसंचार और रचनात्मक लेखन (हिंदी ख)

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
जनसंचार और रचनात्मक लेखन	02	2	--	--	**हिंदी** ख (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 10वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	**हिंदी** ख (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 10वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	**हिंदी**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objetive):

- विद्यार्थियों के अभिव्यक्ति कौशल को विकसित करना।
- प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के लिए लेखन कार्य की समझ विकसित करना
- हिंदी भाषा में रचनात्मक लेखन की ओर प्रेरित करना।
- विद्यार्थियों में कल्पनाशीलता और रचनात्मक लेखन का विकास करना।
- रचनात्मक लेखन के विविध क्षेत्रों की कार्यशैली का अध्ययन।

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थियों के मौखिक और लेखन कौशल को बढ़ाया जा सकेगा।
- विद्यार्थियों को प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक लेखन की ओर अग्रसर किया जा सकेगा।
- आज शिक्षा का व्यवसाय से भी संबंध है। यह पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भों के अनुकूल स्थापित ह सकेगा।
- विद्यार्थियों को साहित्य लेखन की जानकारी का ज्ञान विकसित होगा।
- रचनात्मक लेखन के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पक्षों से परिचित हो सकेंगे।

SYLLABUS OF AEC-2 (Semester – III/IV)

इकाई 1 : रचनात्मक लेखन का स्वरूप (1-7 सप्ताह)

- रचनात्मक लेखन का अर्थ और महत्व
- रचनात्मक लेखन के विविध रूप
- जनसंचार माध्यमों के लिए रचनात्मक लेखन
- जनसंचार माध्यमों में हिंदी भाषा

इकाई 2: विविध माध्यमों के लिए रचनात्मक लेखन (8-15 सप्ताह)

- प्रिंट माध्यम के लिए लेखन (साक्षात्कार, यात्रा अनुभव लेखन)
- इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के लिए लेखन (संवाद लेखन और गीत)
- विज्ञापन लेखन

सहायक पुस्तकें:

1. रचनात्मक लेखन – प्रो. रमेश गौतम, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 2016
2. कथा पटकथा – मन्नू भंडारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 2006
3. पटकथा लेखन: एक परिचय – मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2000
4. जनसंचार माध्यम: सम्प्रेषण और विकास – देवेन्द्र इस्सर, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली
5. जनसंचार माध्यमों का सामाजिक चरित्र – जवरीमल्ल पारिख, अनामिका प्रकाशन, दिल्ली

मूल्यांकन पद्धति: (Assessment Method)

- कुल अंक: 80
- लिखित परीक्षा: 60 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन: 20 अंक